यूपी के आगे सब नतमस्तक

बैंकिंग, पर्यटन, गरीबी उन्मूलन व शेयर बाजार निवेश में सबको पछाड़ा

दक्षिण भारत में भगवान की तरह पूजे जाने वाले सुपरस्टार रजनीकांत अपनी नई फिल्म के प्रमोशन के लिए शनिवार को राजधानी पहुंचे। यहां उन्होंने सीएम योगी आदित्यनाथ से शिष्टाचार भेंट की। इस दौरान आशीर्वाद लेने के लिए रजनीकांत ने जब पैर छुए तो योगी ने उन्हें उठाया और खुद भी हाथ जोड़ लिए। भेंट के दौरान दोनों के बीच नोएडा में बन रही फिल्म सिटी पर चर्चा हुई। राजनीकांत ने फिल्म सिटी के लिए मुख्यमंत्री द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें शुभकामनाएं भी दीं। स्रोत : सूचना विभाग

>> केशव के साथ देखी फिल्म : पेज 4

अमर उजाला ब्यूरो

लखनऊ। यूपी विकास, आर्थिक तरक्की और कामयाबी की नई इबारत लिख रहा है। गरीबी उन्मूलन, शेयर बाजार में निवेश, घरेलू पर्यटकों, इनकम टैक्स रिटर्न फाइल करने वालों की संख्या और बैंकों के पसंदीदा निवेश वाले राज्यों में यह सबसे आगे निकल गया है।

यूपी की बढ़ती समृद्धि को दर्शाने वाली यह तस्वीर भारतीय स्टेट बैंक रिसर्च, भारतीय रिजर्व बैंक, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज, पर्यटन मंत्रालय, आयकर विभाग व नीति आयोग की अलग-अलग रिपोर्ट से सामने आई है। इसके अनुसार विभिन्न परियोजनाओं के लिए बैंकों से फंडिंग लेने के मामले में यूपी ने शानदार रफ्तार पकड़ी है। रिजर्व बैंक के अगस्त के बुलेटिन के मुताबिक 2013-14 में बैंकों से कुल प्रोजेक्ट फंडिंग में यूपी की हिस्सेदारी केवल 1.1 फीसदी थी। यह अब बढ़कर 16.2 फीसदी पर पहुंच गई है। इसी के साथ महाराष्ट्र को पछाड़कर यूपी देश में नंबर वन हो गया है।

गरीबी सूचकांक को लेकर नीति आयोग की हालिया रिपोर्ट बताती है कि प्रदेश में गरीबों की संख्या में सबसे बड़ी गिरावट दर्ज की गई है। करीब 3.43 करोड़ लोग गरीबी के दलदल से बाहर निकल गए हैं। शेयर बाजार के नए निवेशकों की संख्या के मामले में भी यूपी ने महाराष्ट्र को पीछे छोड़ दिया है। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के अनुसार अप्रैल में यूपी से 1.26 लाख नए निवेशक जुड़े, जबकि महाराष्ट्र से 1.18 लाख। नए निवेशक जोड़ने के मामले में यूपी पिछले छह महीने से देशभर में पहले स्थान पर है। प्रदेश में पर्यटकों की संख्या में भी आश्चर्यजनक वृद्धि हुई है। घरेलू पर्यटकों की संख्या के लिहाज से यूपी देश का पहला राज्य बन गया है। पर्यटन मंत्रालय की सालाना रिपोर्ट के मुताबिक पिछले एक साल में प्रदेश में 31 करोड़ से ज्यादा घरेलू पर्यटक आए, जो देश के कुल घरेलू पर्यटन का 18.4 फीसदी हैं।

यहां भी नंबर वन

बैंकों से फंड आकर्षित करने में 16.2 फीसदी हिस्सेदारी के साथ

3.43 करोड़ लोग गरीबी उन्मूलन के तहत गरीबी रेखा से बाहर

शेयर बाजार : सबसे ज्यादा नए निवेशक जुड़े

31 करोड़ घरेलू पर्यटकों के साथ टूटा रिकॉर्ड

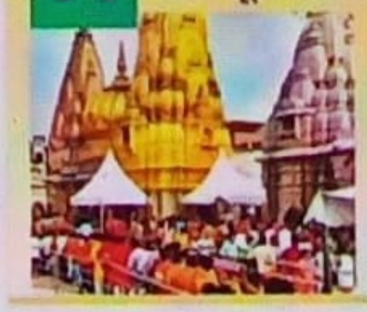

आईटीआर भरने वालों में दूसरा स्थान

आयकर विभाग के मुताबिक आईटीआर दाखिल करने वालों की संख्या में यूपी दूसरे पायदान पर आ पहुंचा है। जून 2014 में, प्रदेश से केवल 1.65 लाख आईटीआर दाखिल हुए थे। जबकि, जून 2023 में ये संख्या बढ़कर 11.92 लाख हो गई।

बीमारू से अब सरप्लस राजस्व वाला राज्य

कभी बीमारू कहा जाने वाला अपना प्रदेश आज रेवेन्यू सरप्लस राज्य हो गया है। वित्त वर्ष 2016-17 में राज्य कर राजस्व लगभग 86 हजार करोड़ था, जो 2021-22 में 1.47 लाख करोड़ से अधिक हो गया।

- 2016-17 सेल्स टैक्स/वैट लगभग 51,883 करोड़ था जो आज 1.25 लाख करोड़ रुपये के पार हो गया है। महत्वपूर्ण बात यह है कि प्रदेश में पेट्रोल, डीजल और एटीएफ वैट दर कई राज्यों से कम है और मई 2022 के बाद दरों में कोई परिवर्तन नहीं हुआ है।